राज्यसभा चुनाव में 126 वोट प्राप्त करने वाली सरकार क्या छह विधायकों का दबाव झेलती रहेगी?

राज्यसभा चुनाव से पहले भी बनाया था दबाव, अब राष्ट्रपति चुनाव को देखते हुए बनाना चाहते हैं दबाव

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के साथ एक बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है और समस्या यह है कि जैसे ही कभी राज्यसभा चुनाव आ जाता है या जब भी विधानसभा में सरकार को समस्या होती है तभी सरकार को समर्थन देने वाले निर्दलीय या बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों तेवर दिखाने शुरू हो जाते हैं। अब जब राष्ट्रपति चुनाव सिर पर हैं तो बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों की ओर से फिर तेवर दिखाने की तैयारी है और गुरुवार को बाकायदा बसपा से कांग्रेस में आए छह विधायकों ने बैठक करके दबाव बनाने की रणनीति तैयार कर ली है। इस रणनीति के तहत इन छह विधायकों ने अपने पद छोड़ने तक की धमकी सरकार के प्रतिनिधि को दी है।

बसपा से कांग्रेस में आए 6 विधायकों में से 4 विधायकों को सरकार में हिस्सेदारी मिल चुकी है और दो विधायक हिस्सेदारी से वंचित रह गए हैं। अब उन्हें हिस्सेदारी दिलवाने सहित अपनी बाकी मांगों को पूरा करवाने के लिए दबाव की रणनीति बन रही है। दरअसल बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों की ओर से सरकार को समर्थन के बदले में लगातार दबाव बनाकर अपनी मांगे मनवाने जाती रही है। सिर्फ बसपा से कांग्रेस में आए ही विधायकों की बात नहीं है, बल्कि निर्दलीय और बीटीपी विधायकों की ओर से भी समय-समय पर इसी तरह के तेवर दिखाए गए हैं।

- **बसपा से कांग्रेस में आए 5 विधायकों सहित कांग्रेस विधायक बैरवा इस ग्रुप में शामिल, वहीं बसपा से कांग्रेस में आए एक विधायक ने किया किनारा**

हाल ही राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा से कांग्रेस में आए इन पांच विधायकों सहित अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बने कांग्रेस विधायक खिलाड़ी बैरवा ने भी उनके सुर में सुर मिलाया था। हालांकि नई बात यह हुई कि बसपा से आए एक विधायक जोगिंदर अवाना खुद को राजनीतिक पद मिलने के बाद इस ग्रुप से अलग दिखने लगे हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान भी इन विधायकों ने बाड़ाबंदी में जाने के बजाय अलवर स्थित सरिस्का के जंगलों में फोटो खिंचवा कर सरकार पर दबाव बनाया था और बाद में सरकार के नजदीकी लोगों ने इनसे बात करके वादा किया था कि राज्यसभा चुनाव के बाद इनकी सभी मांगों पर समय पर फैसला होगा। अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। ऐसे में बसपा से कांग्रेस में आए 5 विधायकों सहित कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा सहित इन छह विधायकों ने गुरुवार को मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के साथ बैठकर अपनी मांगे मनवाने के लिए रणनीति बनाई है और बाकायदा सरकार के प्रतिनिधि को इस बारे में अवगत भी करा दिया है। यह दबाव अब इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि आने वाली 11 जुलाई को कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के संयुक्त राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जयपुर आने वाले हैं।

हालांकि यह भी तय है कि बसपा से कांग्रेस में आए यह छह विधायक सिर्फ दबाव बनाने की रणनीति तैयार करते हैं, लेकिन दूसरी ओर यह भी तय है कि सरकार इन्हें अब कुछ दे या ना दे, यह सरकार को छोड़कर नहीं जा सकते। क्योंकि वर्तमान की स्थिति में सरकार ज्यादा दबाव झेलना नहीं चाहेगी, क्योंकि इनके अलावा भी सरकार के पास 120 विधायकों का समर्थन है, जो कि राज्यसभा चुनाव में वोटों के तौर पर सामने आया था। इन छह विधायकों की ओर से कहा गया है कि मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा को उनके कद के अनुरूप अच्छा मंत्रालय दिया जाए। वहीं जिन विधायकों को राजनीतिक नियुक्तियां दी गई है, उन्हें भी मंत्री का दर्जा दिया जाए। वहीं जो दो विधायक अभी तक राजनीतिक नियुक्तियों से वंचित हैं, उन्हें भी राजनीतिक पदों पर नवाजा जाए। इसके अलावा भी इन्होंने एक दो अन्य मांगे सरकार के सामने रखी हैं।

राज्यपाल मिश्र से पंजाब के राज्यपाल की भेंट

राज्यपालं कलराज मिश्र से पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने शुक्रवार को राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सुधांशु कासलीवाल ने हाईकोर्ट में 30 लाख की लागत से बनवाया वी.सी.रूम

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अजय रस्तोगी ने शुक्रवार को सेशन कोर्ट में नव निर्मित वीडियो कॉन्फ्रेसिंग सेंटर का लोकार्पण किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। वीसी के जरिए अधिवक्ता किसी भी अदालत में ऑनलाइन पैरवी कर सकेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल की ओर से तीस लाख रुपए की लागत से 11 वीसी और कंसल्टेशन रूम का निर्माण कराया गया है।

- **वीसी सेंटर का लोकार्पण, वकील कर सकेंगे किसी भी अदालत में पैरवी**

इस मौके पर जस्टिस रस्तोगी ने कहा कि वीसी की सुविधा नहीं होने के चलते वकील का काम प्रभावित होता है क्योंकि यदि वह हाईकोर्ट या दूसरी अदालतों में बहस के लिए जाता है तो स्थानीय मुकदमों में उसे तारीख लेनी पड़ती है। वहीं अब सेशन कोर्ट में वीसी की सुविधा होने से वकील यहां बैठा-बैठा ही हाईकोर्ट के साथ ही दूसरी अदालतों में भी अपना पक्ष रख सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अजय रस्तोगी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में नव निर्मित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेंटर का लोकार्पण किया। इसे बनवाने के लिये वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल का स्वागत किया गया। इस मौके पर जस्टिस एम.एम.श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

एनएचएआई की कंसल्टेंट फर्म के एडवाइजर की हत्या के आरोपी को जमानत नहीं

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के वैशाली नगर इलाके में पिछले साल 26 अगस्त को हुए एनएचएआई की कंसल्टेंट फर्म के एडवाइजर इंजीनियर राजिंदर कुमार चावला की हत्या के आरोपी करणदीप श्योराण की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश दिए। अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी ने मृतक कंसल्टेंट व आरोपी याचिकाकर्ता के बीच हुए संवाद के दस्तावेज एकत्रित किए हैं और इनसे साबित है कि मृतक, आरोपी की कंपनी के कामकाज से संतुष्ट नहीं था और ब्रिज के डिजाइन बदलने के लिए तैयार नहीं था। इसलिए आरोपी ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत हत्या के लिए शूटर्स को सुपारी दी थी और उन्हें पिस्टल मुहैया कराई थी। अनुसंधान अधिकारी के पास पर्याप्त साक्ष्य हैं और वे आरोपी याचिकाकर्ता सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ हैं। ऐसे में इन तथ्यों व परिस्थितियों के आधार पर आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट

राज्य में शुक्रवार को 137 नए संक्रमित मिले, जबकि गुरूवार को इनकी संख्या 154 रही थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। इस दौरान राज्य में 137 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इनके मुकाबले में 129 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े नौ से अधिक हो गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 15 जिलों में 137 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 154 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज नए संक्रमितों की संख्या में थोड़ी बढ़ोत्तरी हुई है। इस बीच जिले में 51 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 24, बीकानेर में 16, अजमेर में 9, अलवर व भीलवाड़ा में 7-7, उदयपुर में 6, गंगानगर में 5, चूरू में 4, बाड़मेर व नागौर में 2-2 तथा बांसवाड़ा, कोटा, सिरोही और टोंक में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 19 जिलों बारां, भरतपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में शुक्रवार 129 मरीज ही ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 953 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में भी रिकवरी कम होन से एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 370 हो गई है। वहीं जोधपुर में 148 जबकि बीकानेर में 109 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में इस बीमारी से अब तक 9570 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

- **जयपुर में थोड़ी वृद्धि के बाद 51 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े नौ से अधिक हो गए हैं।**

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 23 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 6 नए मरीज सांगानेर में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 5, जगतपुरा में 4, बनीपार्क, सिविल लाइंस व शास्त्री नगर में 3-3, गांधी नगर, जवाहर नगर, झोटवाड़ा व मालवीय नगर में 2-2 तथा आदर्श नगर, आमेर, बस्सी, हवा सड़क, कोटपूतली, महेश नगर, निर्माण नगर, मुरलीपुरा, शाहपुरा, सोड़ाला और विद्याधर नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 4 मरीजों का पता गलत मिलने से उन्हें ट्रेस किया जा रहा है। जिले में शुक्रवार को 44 मरीज ठीक हुए हैं।

इंटरनेशनल वेबिनार आज होगा

जयपुर। इंडियन डेल्फिक कौंसिल एंड द इंटरनेशनल डेल्फिक कौंसिल का चैप्टर डेल्फिक कौंसिल ऑफ राजस्थान 9 जुलाई को अपना एक साल का कार्यकाल पूरा कर लेगा।

डेल्फिक कौंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष आई.ए.एस.श्रेया गुहा ने बताया कि इस उपलक्ष्य पर कौंसिल द्वारा डेल्फिक डायलॉग की सीरीज डीसीआर 1: द रोड अहेड के तहत कल शाम 7 बजे से ऑनलाइन इंटरनेशनल वेबिनार का आयोजन किया जाएगा।

सब जानते हैं, सीएम की निगाहें कहीं और थीं और निशाना कोई और था : गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर मुख्यमंत्री पर तंज कसा।

शुक्रवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्रीजी ने जितना समय भाषण में निकम्मा की परिभाषा समझाने में लगाया उतने में ईआरसीपी का तकनीकी पक्ष समझ लेते तो शायद समस्या सुलझ ही जाती। शेखावत ने कहा कि सब जानते हैं, निगाहें कहीं और थीं और निशाना कोई और था।

वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की कच्छ में नर्मदा का पानी पहुंचने पर की गई टिप्पणी का जवाब शेखावत ने शायरी में दिया। शेखावत ने कहा कि 'ग़ालिब' बुरा न मान जो वाइ'ज़ बुरा कहे ऐसा भी कोई है कि सब अच्छा कहें जिसे।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने घर में पंखे लगाने के लिए रुपए लेने के बाद भी पंखे नहीं लगाने की बात पर हुई हत्या के मामले में अभियुक्त दुकानदार गंगासहाय कुमावत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

आरपीएससी सचिव पेश होकर बताए क्यों नहीं की अदालती आदेश की पालना : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद स्कूल व्याख्याता भर्ती-2018 के राजनीति विज्ञान, हिंदी तथा चित्रकला विषय सहित अन्य विषयों के विवादित प्रश्न उत्तरों की जांच एक्सपर्ट कमेटी से नहीं कराने पर नाराजगी जताई है।

अदालत ने आरपीएससी सचिव को कहा है कि वे पांच अगस्त को पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण पेश करें। अदालत ने कहा है कि यदि तब तक आदेश की पालना कर ली जाती है तो उन्हें हाजिर होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सुरजन लाल धवन व हेमराज रोदिया और अन्य की याचिकाओं पर दिए।

सुनवाई के दौरान आरपीएससी की ओर से अदालती आदेश की पालना के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चार सप्ताह का समय देते हुए कहा है कि पालना नहीं करने पर आयोग सचिव पेश हो। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि आरपीएससी को भर्ती के विवादित प्रश्न उत्तरों की जांच करानी थी, लेकिन आरपीएससी ने अदालती आदेश के बाद भी पूर्व की उत्तर कुंजी में कोई बदलाव नहीं किया। इसके अलावा आयोग ने विवादित प्रश्नों की दोबारा जांच किए बिना ही पुरानी रिपोर्ट पेश कर दी। जबकि उसे एक्सपर्ट कमेटी से जांच करवानी थी और इसे वेबसाइट पर भी अपलोड कर प्रार्थियों को जानकारी देनी थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने गत 5 अप्रैल को आदेश जारी कर विवादित प्रश्नों की जांच विशेषज्ञ कमेटी से कराने को कहा था, लेकिन आयोग ने अब तक पालना नहीं की।

प्रदेश में समयबद्ध गैस पाइप लाइन बिछाने के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त हों : उषा शर्मा

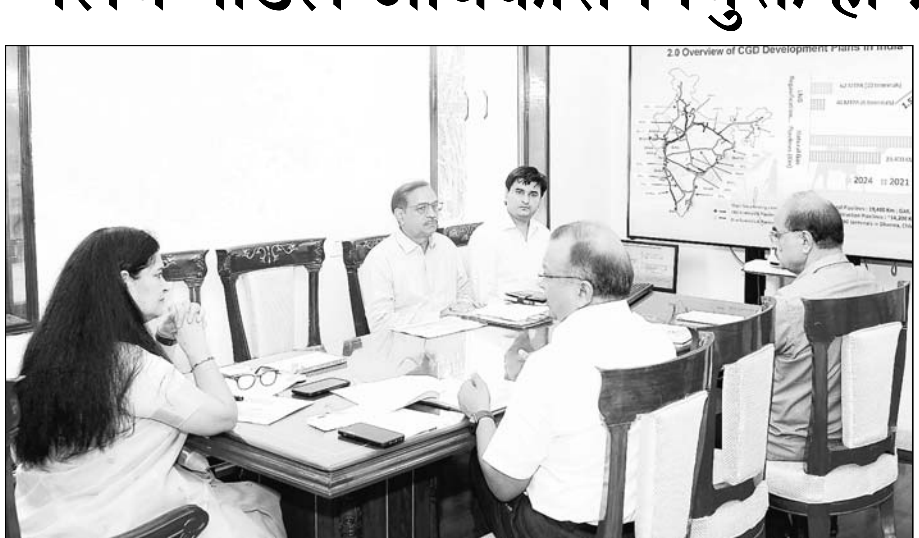

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने गुरूवार को सचिवालय में प्रदेश में सीएनजी तथा डीपीएनजी नेटवर्क की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) प्लान के तहत राज्य में गैस पाइप लाइन बिछाने का काम निर्बाध और समयबद्ध तरीके से हो इसके लिए संबंधित विभागों में नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाएँ। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए अधिकृत कम्पनियों को लैण्ड अलॉटमेंट या विभागों से एनओसी लेने जैसे कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए एसओपी बनाई जाए तथा त्वरित कार्यवाही के लिए सिंगल विंडो पॉलिसी लागू की जानी चाहिये।

मुख्य सचिव गुरूवार को सचिवालय में प्रदेश में सीएनजी तथा डीपीएनजी नेटवर्क की प्रगति की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के सभी जिलों में पाइप लाइन से घरेलू गैस उपलब्ध करवाने के लिए नेटवर्क का विकास समयबद्ध तरीके से पूरा हो। उन्होंने इस कार्य के लिए अधिकृत कम्पनियों से उनके सामने आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उन्हें भरोसा दिलाया कि सभी अवरोधों को दूर करने के हरसंभव प्रयास किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि गैस पाइपलाइन बिछाने तथा सीएनजी स्टेशनों की स्थापना के लिए आधारभूत ढ़ांचा विकसित करने में जो भी समस्याएं आ रही हैं, उन्हें दूर किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम विभाग सुबोध अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में आगामी 8 साल में 96 लाख से अधिक पाइप लाइन से घरेलू कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्य के लिए 37 हजार 824 इंच किलोमीटर गैस पाइप लाइन बिछाने तथा 1187 सीएनजी स्टेशनों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए प्रदेश में 14 कम्पनियों को अधिकृत किया गया है।

राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड के प्रबंध संचालक मोहन सिंह ने बताया कि अब पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड द्वारा राज्य के सभी 33 जिलों के लिए अधिकृत कर दिया गया है। उन्होंने प्रदेश में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) प्लान के तहत हो रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति व भावी कार्य योजना के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अगले 2 सालों में प्रदेश के विभिन्न शहरों में 274 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 13 लाख 34 हजार 581 घरेलू पीएनजी कनेक्शन तथा 15 हजार 600 इंच-किलोमीटर गैस पाइपलाइन बिछाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में राजस्व विभाग, रीको, गृह, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा अधिकृत कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने वीसी के माध्यम से भाग लिया।

- **प्रदेश में आगामी 8 साल में 96 लाख से अधिक पाइप लाइन से घरेलू कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे : सुबोध अग्रवाल**

प्लास्टिक उपयोग पर 340 चालान काटे

जयपुर (कासं)। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ ग्रेटर नगर निगम ने अभियान चला रखा है। निगम प्रशासन की टास्क फोर्स की टीम द्वारा अब तक 340 से भी अधिक चालान करके 1 लाख 44 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया है।

उपायुक्त स्वास्थ्य मुकेश कुमार ने बताया कि अब तक लगभग 125 किलो से भी ज्यादा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया जा चुका है। ग्रेटर की टास्क फोर्स में जोन उपायुक्त, राजस्व अधिकारी, मुख्य सफाई निरीक्षक, वार्ड सफाई निरीक्षक, कांस्टेबल सहित टीम गठित की गई है।

संगठन की दखलअंदाजी के बाद समिति चेयरमैनों की बैठक 15 जुलाई को तय

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम की कार्यकारिणी समिति (ई.सी.) की बैठक 15 जुलाई को होगी। सभी संचालन समिति अध्यक्षों से बैठक के लिए प्रस्ताव मांगे गए है।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने भाजपा मुख्यालय पर सभी समिति अध्यक्षों की बैठक ली थी। जहां अधिकांश चेयरमैनों ने महापौर के रवैये और कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए थे। इसके बाद संगठन ने निर्देश दिए थे कि 15 जुलाई को कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाई जाए। इस निर्देश के बाद महापौर ने सभी समितियों से प्रस्ताव मांगे हैं। उस बैठक में भी तय किया गया था कि हर महीने के पहले सोमवार को कार्यकारिणी समिति की बैठक होगी और आखिरी शनिवार को महापौर के साथ समिति अध्यक्षों की बैठक होगी।

- **महापौर सौम्या गुर्जर ने समिति अध्यक्षों से बैठक के लिए प्रस्ताव मांगे**

बताया जा रहा है कि ईसी की बैठक से पहले भी महापौर सौम्या गुर्जर संचालन समिति अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगी। इसी हफ्ते के अंत में यह बैठक होगी। इससे पहले गुरुवार को ही उप महापौर पुनीत कर्णावट ने समिति अध्यक्षों के साथ चर्चा की थी, जिसमें सभी ने खुलकर अपनी बात को रखा। संगठन ने साफ निर्देश दिए है कि महापौर पार्टी के पार्षदों और समिति अध्यक्षों के साथ नियमित संवाद करें, ताकि उनकी परेशानियों का समय पर निपटारा हो सके।

काली मां का विवादित पोस्टर बनाने वाली फिल्म डायरेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर (कासं)। काली मां पर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म को लेकर सुर्खियों में आया पोस्टर अब विवादों में है। फ़िल्म की डायरेक्टर लीना मणिमेकलाई के खिलाफ जयपुर में करणी सेना के बाद अब सामाजिक कार्यकर्ता सूरज सोनी ने भी झोटवाड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। सूरज सोनी का कहना है कि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए लगातार उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत किया जा रहा है। फिल्म डायरेक्टर लीना ने पहले डॉक्यूमेंट्री पोस्टर में माँ काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया और अगले ही दिन भगवान शिव और मां पार्वती का अभद्र फोटो ट्वीट किया है, जो कि नाकाबिले बर्दाश्त है।

राजपार्क के रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे लोगों व कर्मचारियों के बीच जमकर लात-घूंसे चले

झगड़े में 4 कर्मचारी घायल, पुलिस के आने से पहले ही बदमाश भाग छूटे

जयपुर (कासं)। जवाहर नगर स्थित रेस्टोरेंट में खाना खाने आए परिवार ने जमकर तोड़फोड़ की। रेस्तरां कर्मचारियों से गाली-गलौज और मारपीट तक कर दी। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले। रेस्टोरेंट के कर्मचारियों से हो रही मारपीट को देखकर वहां मौजूद अन्य ग्राहक खाना छोड़कर भाग गए। हमले में रेस्टोरेंट के काफी नुकसान हुआ, जबकि चार कर्मचारी घायल हो गए। झगड़े की सूचना पर जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बीच-बचाव करने पर हमलावर वहां से चले गए। जवाहर नगर थाने में रेस्टोरेंट के मैनेजर ने मामला दर्ज कराया है। रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि राजापार्क स्थित पंचवटी सर्किल पर पालीज ढाबा नाम से फेमिली रेस्टोरेंट है। मैनजर राजेश कुमार मीणा ने जवाहर नगर थाने में मामला दर्ज कराया है कि 5 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे रेस्टोरेंट पर खाना खाने एक परिवार के 15-16 लोग आए। इनमें युवक, युवती व महिलाएं थीं। उन्होंने खाने का ऑर्डर देने से पहले ही पास बैठे भाई-बहन (कस्टमर) को जल्दी उठकर जाने की कहकर गाली-गलौज कर दी।

- **राजापार्क में पंचवटी सर्किल स्थित पालीज रेस्टोरेंट में पांच जुलाई को रात 10:30 की घटना**

खाना खा रहे भाई-बहन के विरोध करने पर कर्मचारी बीच-बचाव करने लगे। कस्टमर को गाली देने से मना करने पर कर्मचारियों से गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते कर्मचारियों से धक्का-मुक्की शुरू कर दी। भाई-बहन रेस्टोरेंट से चले गए, लेकिन परिवार के लोग गला दबाकर कर्मचारियों से मारपीट करने लगे। रेस्टोरेंट के सभी कर्मचारियों को इकट्ठा होते देखकर साथ ही आई युवतियों-महिलाएं भी हमले में शामिल हो गई। रेस्टोरेंट में हाथ लगे बर्तन को फेंककर तोड़फोड़ कर दी। रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ होने पर डिनर करने आए कस्टमर खाना छोड़कर जान बचाकर वहां से भागे। झगड़े की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बीच-बचाव करने आई पुलिस को देखकर परिवार मौके से चला गया। हमले में रेस्टोरेंट के कर्मचारी कमल कुमार, कौशल, सुरेश और धर्मवीर भूषण घायल हो गए। घायल चारों कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार के लिए हॉस्पिटल भिजवाया गया।

मैनेजर ने बताया कि तोड़फोड़ से रेस्टोरेंट में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। मैनेजर राजेश की शिकायत पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रेस्टोरेंट में लगे फुटेज में हमले और तोड़फोड़ की करतूत कैद हो गई। पुलिस ने बताया कि रेस्टोरेंट मे मारपीट करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने मौके से खजाने वालों का रास्ता निवासी मोहित को पकड़ा था। रिपोर्ट दर्ज नहीं होने के कारण उसे शांतिभंग में गिरफ्तार कर जेसी भेज दिया था। मामला दर्ज होने पर आरोपी मोहित को बुलाकर पूछताछ कर साथ के लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।